A–0640

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DMA-102

Diploma in Medical Astrology (DMA)

ज्योतिष शास्त्र में रोग ज्ञान के आधार

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रोगविचार की परम्परा पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

2. अरिष्टयोगों पर शास्त्रीय दृष्टिकोण से सुविस्तृत आलेख लिखिए।

3. आयु परीक्षण के सिद्धान्तों पर विस्तार से परिचर्चा प्रस्तुत कीजिए।

4. रोगकारकग्रहों पर चर्चा प्रस्तुत करते हुए रोगोत्पत्ति काल निर्धारण पर शास्त्रीय चिन्तन प्रस्तुत कीजिए।

5. मृत्यु कितने प्रकार की होती है ? विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए शास्त्रीय दृष्टिकोण से मृत्युकाल का निर्धारण के तत्वों की समीक्षा कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रोगनिर्धारण के प्रमुख कारकों का समीक्षा कीजिए।

2. सूर्यादि ग्रहों के रोगकारकत्व पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

3. जन्माङ्गचक्र के आधार पर रोगज्ञान किस प्रकार किया जा सकता है ? विवेचना कीजिए।

4. शकुन से रोगज्ञान किस प्रकार सम्भावित है ? विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

5. दशा के माध्यम से रोग समुत्पत्ति के काल को किस प्रकार जाना जा सकता है ? समीक्षा कीजिए।

6. स्वप्न के माध्यम से रोग के विषय में किस प्रकार जाना जा सकता है ? विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

7. अरिष्टयोगों पर चर्चा प्रस्तुत करते हुए इसकी उपयोगिता बताइये।

8. रोगों के प्रकार पर विस्तृत चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

****